1. व्यक्तिगत पत्र

पिता को पत्र

दि : 12-11-2017

पूज्य पिताजी,

सादर प्रणाम ।

मैं यहाँ आपके आशीर्वाद से कुशल हूँ। आपका पत्र मिला, पढ़कर अत्यंत खुशी हुई। मेरी पढ़ाई ठीक चल रही है। आपकी आज्ञानुसार मन लगाकर दिन-रात पढ़ाई में व्यस्त रहता हूँ। खेल-कूद या गपशप में ज्यादा समय गवाँ नहीं रहा हूँ।

हमारे स्कूल की ओर से अगले महीने 10 से 13 तारीख तक शैक्षिक-यात्रा का आयोजन हुआ है। उसमें मेरे सारे मित्र जा रहे हैं। उनके साथ मैंभी जाना चाहता हूँ। इसलिए मुझे रु. 2000 भेजने की कृपा करें।

माताजी को मेरा प्रणाम, छोटी बहन प्रिया को ढेर सारा प्यार।

आपका आज्ञाकारी बेटा,

हर्ष

सेवा में,

श्री प्रभाकर बी. एम.,

घर नं. 521, भरत निवास,

कर्नाटक स्कूल के समीप,

राजेश्वरी नगर, बीदर जिला

EasyLearnNow.com

2. व्यावहारिक पत्र

प्रमाण पत्र के लिए पत्र

दिनांक : 07-05-2017

प्रेषक,

सचिन,
नौवीं कक्षा, 'बी' विभाग,
सरकारी हाईस्कूल,
राजाजीनगर, बेंगलूरु-560 010.

सेवा में,

प्राचार्या,
सरकारी हाईस्कूल,
राजाजीनगर, बेंगलूरु-560 010.

विषय : प्रमाण पत्र हेतु

महोदया,

आपसे निवेदन है कि मेरे पिताजी का तबादला मैसूर में हो गया है। उनके साथ मुझे भी जाना होगा।

अतः अनुरोध करता हूँ कि मुझे नौवीं कक्षा उत्तीर्ण होने का प्रमाण पत्र, स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र तथा चरित्र प्रमाण पत्र देने की कृपा करें।

सधन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी छात्र,

सचिन

EasyLearnNow.com

पत्र-लेखन के पारिभाषिक शब्द

पद	संबोधन	अभिवादन	समापन
बड़े तथा गुरु-जन के लिए	श्रद्धेय, माननीय, मान्यवर, आदरणीय, पूज्य, पूजनीय, पूज्यपाद, पूज्य चरण	चरण स्पर्श, चरण वंदन, दंडवत् प्रणाम, कृपाकांक्षी, सादर नमस्कार	आपका आज्ञाकारी, स्नेह-भाजन, चरण सेवक,विनीत
बराबरवालों के लिए	प्रियवर, प्रिय भाई, प्रिय मित्र, बंधुवर	सप्रेम नमस्ते/ नमस्कार	तुम्हारा मित्र/ स्नेही, तुम्हारा ही, तुम्हारा सदैव
छोटों के लिए	प्रिय, चिरंजीव	चिरंजीव रहो, आशीर्वाद, प्रसन्न रहो, शुभाशीष	तुम्हारा हितैषी, शुभचिंतक, शुभेच्छु
परिचितों के लिए	प्रिय बंधु/बंधुवर, श्री/प्रिय	नमस्ते, नमस्कार	भवदीय, भवदीया, आपका, आपकी
अपरिचितों के लिए	महोदय, श्रीमान्, मान्यवर	नमस्ते, जय हिंद	भवदीय, आपका भवदीया, आपकी